फर्जी बीएसईएस कर्मियों से सावधान, तुरंत पुलिस व बीएसईएस को बताएं

- *चंदनी चौक में ठगों का जोर*
- *कई को ठगी का शिकार बनाया*
- *दिलशाद गार्डन में महिला को ठगा*
- *महिला को बीएसईएस का नहीं, किसी दूसरी कंपनी का बिल दिया*

March 29, 2007

खुद को बीएसईएस के कर्मचारी बताकर लोगों को ठगने वाले गिरोह इन दिनों बड़े पैमाने पर सक्रिय हैं। बीएसईएस अधिकारियों को लगातार ऐसी शिकायतें मिल रही हैं, जिनमें इन गिरोहों के सदस्यों ने आम उपभोक्ताओं से हजारों रूपये ठगे हैं। कभी मीटर में गड़बड़ी के नाम पर, तो कभी बिजली चोरी के नाम पर गिरोहों के सदस्य बिजली उपभोक्ताओं को परेशान कर रहे हैं। बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को सावधान करती है कि इन ठगों के बहकावे या धमकी में न आएं और शक होने पर सीधे पुलिस या बीएसईएस को बताएं। किसी भी तरह का भुगतान अपने घर पर न करें। यदि उपभोक्ता के घर पर नकद भुगतान की बात कोई करता है, तो तुरंत पुलिस या बीएसईएस की सहायता लें।

दरअसल, पिछले एक हफ्ते के अंदर ही ऐसी दो शिकायतें उपभोक्ताओं ने बीएसईएस अधिकारियों से की हैं। एक मामला चांदनी चौक है और दूसरा दिलशाद गार्डन का। दिलशाद गार्डन का मामला तो अनोखा है, क्योंकि इसमें ठगों ने उपभोक्ता को बीएसईएस का नहीं, बल्कि किसी दूसरी वितरण कंपनी का फर्जी बिल थमा दिया।

चांदनी चौक में ठगी जोरों पर

संदीप कुमार नामका एक व्यक्ति चांदनी चौक इलाके में अपने साथियों के साथ घूम रहा है और घर-घर जाकरउपभोक्ताओं से यह कह रहा है कि उन्होंने अपने बिजली मीटर के साथ छेड़छाड़ की है और मीटर को धीमा कर दिया है। सिर्फ लाजपत राय मार्केट में ही इस गिरोह ने अब तक 100 से अधिक लोगों से संपर्क किया है और कई लोगों को अपनी ठगी का शिकार भी बनाया है। संदीप कुमार खुद को बीएसईएस के लिए काम करने वाले ठेकेदार का कर्मचारी बता रहा है। वह लोगों को अपना मोबाइल नंबर भी दे रहा है। मोबाइल नंबर है- **981162 0117** । हालांकि जब बीएसईएस अधिकारियों ने इस मोबाइल नंबर पर संपर्क करने की कोशिश की, तो उधर से कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला। मामले की जानकारी पुलिस को दी जा रही है।

दिलशाद गार्डन में भी गिरोह सक्रिय

दिलशाद गार्डन में एक महिला को ठगों के एक गिरोह ने अपना शिकार बनाया। यह गिरोह महिला के पास गया और कहा कि उस पर करीब **1000** रूपये का बिल बकाया है। यदि वह भुगतान नहीं करती हैं, तो उनकी बिजली की सप्लाई काट दी जाएगी। इस पर महिला ने भुगतान कर दिया। भुगतान के बाद गिरोह के सदस्यों ने महिला को एक रसीद भी दी, लेकिन वह रसीद बीएसईएस की नहीं, बल्कि दूसरी वितरण कंपनी की जाली रसीद थी। लेकिन चूंकि महिला अनपढ़ थीं, इसलिए उन्हें इस बात का पता नहीं चला। इस मामले का खुलासा तब हुआ, जब उसके घर गए असली बीएसईएस कर्मियों को महिला ने वह रसीद दिखाई। मामले की जानकारी पुलिस को दी जा रही है।

SANJAY KUMAR

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस
39999870/ 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस
39999840/ 9350130304